उहि जाने महिमा ल तोर

उही जाने महिमा ल तोर सतखोजी बाबा ॥
जेहा मन से भजन करेय वो ॥
मोर गुरु बाबा.. उही जाने महिमा तोर ॥

पूजा तोरे भक्ति मोरे भक्ति म भगवान,
गरीब ह अमीर बनगे पाके तोर नाव ॥
तो उही जाने महिमा ल तोर
सूबा शाम सुमिरन कर जोर ॥
मोर गुरु बाबा.. उही जाने महिमा ल तोर

तोर नाम के बदना कोनो रइथे जी उपास,
मनके मनौती पूरा पाके शरधा अउ बिश्वास ॥
तो उही जाने महिमा ल तोर
जे सतनाम साधे सुरती के डोर ॥
मोर गुरु बाबा.. उही जाने महिमा ल तोर

तोर चरन म कतको आथे लाखो अउ हजार,
कतको भुइया नापत गुरु, खाड़े तोर दुवार ॥
तो उही जाने महिमा ल तोर
जेकर हिर्दय उठे भाव बिहोर ॥
मोर गुरु बाबा.. उही जाने महिमा ल तोर

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36009/title/uhi-jane-mahima-la-tor

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |